लागत लेखांकन के तत्व अवधारणाएं एवं वर्गीकरण

COST ACCOUNTING ELEMENTS, CONCEPT & CLASSIFICATIONS

Dr.Divya Shukla.
Assistant Professor
Durga Mahavidyalaya
Commerce Department

Edit with WPS Office

लागत का अर्थ

एक लागत एक उत्पाद का उत्पादन या बिक्री या सामान्य उपयोग के लिए संपत्ति तैयार करने के लिए आवश्यक व्यय है। दूसरे शब्दों में, यह किसी उत्पाद के निर्माण, इन्वेंट्री खरीदने, माल बेचने या व्यावसायिक प्रक्रिया में उपयोग के लिए तैयार उपकरण प्राप्त करने के लिए भुगतान की गई राशि है।लागत अर्थ उस मोड़ से खर्चों के विश्लेषण की तकनीक है, जहां व्यय व्यय इकाइयों के साथ अपने पूर्ण संबंध की संस्था को खर्च किया जाता है या किया जाता है। व्यापक अर्थों में, यह सांख्यिकीय जानकारी के परीक्षण को अपनाता है, लागत नियंत्रण आवेदन रणनीतियों औरनियोजित या किए गए सक्रिय के लाभ का पता लगाने की कैलकुलेशन और लागत के सिद्धांतों, विधियों और रणनीतियों की मांग के रूप में व्याख्या की जाती है, लागत का पता लगाने में विधियों और रणनीतियों और बचत या अधिशेष के अनुमान के रूप में पिछले ज्ञान के साथ या मानदंडों के साथ सहसंबद्ध के रूप में।

Edit with WPS Office

कीसी वस्तु की लागत मे मुख्य रूप से दो प्रकार के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष व्यय एवं अदृश्य लागतें शामिल होती है इन्हें लागत के तत्व कहते है।

प्रत्यक्ष व्यय

जो व्यय निश्चित रूप से वस्तु की विशेष इकाई से सम्बंधित हो, उन्हें प्रत्यक्ष व्ययों मे सम्मिलित करते है। प्रत्यक्ष व्यय उत्पादन की मात्रा के अनुपात मे घटते-बढ़ते है, इसलिए इनकी प्रकृति परिवर्तनशील होती है। इसमे निम्न को सम्मिलित करते है।

प्रत्यक्ष सामग्री

यह वह सामग्री है, जो उत्पादन मे प्रत्यक्ष रूप मे प्रयोग की जाती है। जो साम्रगी उत्पादन मे अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेती है, उसे कारखाना व्यय मे सम्मिलित करते है। प्रत्यक्ष सामग्री मे साम्रगी की मूल कीमत, उसको क्रय करने के व्यय, आगत गाड़ी भाड़ा, रॉयल्टी, ऑक्ट्राय आदि व्यय जोड़े जाते है। जो सामग्री उत्पादन के लिए अनुपयुक्त रहती या बेच दी जाती है, उसे कम कर देते है।

Edit with WPS Office

प्रत्यक्ष श्रम

जो श्रम उत्पादन मे प्रत्यक्ष रूप से प्रयोग किया जाता है, उसे प्रत्यक्ष श्रम मे सम्मिलित करते है। जो श्रम उत्पादन मे अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देता है, उसे अप्रत्यक्ष श्रम मे सम्मिलित करते है, जैसे फोरमेन का वेतन। श्रम उत्पादन का अनिवार्य अंग है, इसलिए इसे मूल लागत मे शामिल करते है। प्रत्यक्ष श्रम की राशि उत्पादन की मात्रा के साथ घटती-बढ़ती है, इसलिए इसे प्रत्यक्ष मे शामिल करते है। प्रत्यक्ष श्रम की राशि उत्पादन की मात्रा के साथ घटती-बढ़ती है, इसलिए इसे प्रत्यक्ष व्यय माना जाता है। अर्थात् यदि उत्पादन कम होगा तो मजदूरी कम लगेगी और अधिक होगा तो अधिक लगेगी।

अन्य प्रत्यक्ष व्यय

इसमे वे व्यय आते है, जो की प्रत्यक्ष रूप से किसी कार्य विशेष पर किए जाते है, जैसे भवन निर्माण के नक्शे का व्यय एवं अनुसन्धान कार्यों पर व्यय आदि।

Edit with WPS Office

अप्रत्यक्ष व्यय या अप्रत्यक्ष लागत

वे व्यय जो उत्पादन मे अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देते है, इसमे सम्मिलित किए जाते है। वे व्यय स्थायी परिवर्तनशील एवं अर्द्धपरिवर्तनशील प्रकृति के होते है। इसमे निम्नलिखित व्ययों को सम्मिलित करते है-

कारखाना व्यय

कारखाने से सम्बंधित समस्त व्ययों को इसमे सम्मिलित किया जाता है। मूल लागत मे कारखाना व्यय को जोड़ देने पर कारखाना लागत ज्ञात हो जाती है। कारखाना व्ययों मे ह्रास, मरम्मत, मशीन व्यय, अप्रत्यक्ष श्रम, स्टोर्स, फोरमेन का वेतन, कारखाने का बिजली, पानी, कारखाने का किराया, बीमा, कारखाना पर्यवेक्षण आदि आते है।

Edit with WPS Office

कार्यालय व्यय

प्रशासन से सम्बंधित समस्त व्ययों को इसमे सम्मिलित किया जाता है। इन व्ययों को कारखाना लागत मे जोड़ देने पर उत्पादन लागत ज्ञात हो जाती है। कार्यालय व्यय, सामान्य व्यय, वेतन, प्रबन्धिकीय व्यय आदि इसमे शामिल होते है।

बिक्री एवं वितरण व्यय

इसमे वस्तु की बिक्री एवं वितरण से सम्बंधित समस्त व्ययों को सम्मिलित किया जाता है। इन समस्त व्ययों को "उत्पादन लागत" मे जोड़ देने पर कुछ लागत ज्ञात हो जाती है। विक्रय व्यय, विज्ञापन व्यय आदि इस श्रेणी मे आते है।

Edit with WPS Office

स्वयं के साधनों का मूल्य

व्यवसाय के स्वामी या उधमी द्वारा उधम की स्थापना के लिए पूंजी लगाई जाती है, अपनी योग्यता को उधम के संचालन मे प्रयुक्त करना तथा सेवाएँ प्रदान करना आदि अदृश्य लागतों की श्रेणी मे आती है। यदि उधमी स्वयं की पूंजी नही लगाता तो उसे बाजार से ऋण लेकर ब्याज चुकाना पड़ता, स्वयं कम नहीं करता तो दूसरों को वेतन देना पड़ता, स्वयं की योग्यता नही लगाता तो विशेषज्ञों को फीस देना पड़ती। अतः सही लागत ज्ञात करने के लिए स्वयं की पूंजी का ब्याज स्वयं की योग्यता एवं सेवाओं का पारिश्रमिक का मौद्रिक मूल्य भी जोड़ना चाहिए।

Edit with WPS Office

लागत की अवधारण

लागत, अर्थशास्त्र में एक प्रमुख अवधारणा, विभिन्न प्रयोजनों के लिए संगठनों द्वारा किया गया मौद्रिक व्यय है, जैसे संसाधनों का अधिग्रहण, माल और सेवाओं का उत्पादन, विज्ञापन, और श्रमिकों को काम पर रखना। दूसरे शब्दों में, लागत को मौद्रिक खर्चों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो किसी संगठन द्वारा किसी निर्दिष्ट टाइलिंग या गतिविधि के लिए किए जाते हैं। लागत का अर्थ है "वस्तुओं या रेंडरिंग सेवाओं के उत्पादन के उद्देश्य के लिए उपयोग किए जाने वाले संसाधनों की संख्या के मौद्रिक शब्दों में मापन।" किसी उत्पाद के निर्माण या निर्माण में प्रयुक्त संसाधनों का मौद्रिक मूल्य। ये संसाधन कच्चे माल, श्रम और भूमि हो सकते हैं।

Edit with WPS Office

लागत का वर्गीकरण

लागत वर्गीकरण की परिभाषा निर्णय लेने वाले के लिए खर्च के पैटर्न की स्पष्ट समझ रखने के लिए कंपनी की लागतों को विभिन्न श्रेणियों में विभाजित करने की प्रक्रिया है। इस वजह से, टीमें वित्तीय मॉडलिंग और अकाउंटिंग उद्देश्यों के लिए डेटा का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकती हैं। यह मैनेजमेंट को यह निर्धारित करने में मदद करता है कि कौन सी लागत दूसरों की तुलना में अधिक महत्त्वपूर्ण है।

लागत लेखांकन सिद्धांत और अभ्यास" नामक एक पुस्तक 1913 में निकोलसन द्वारा प्रकाशित की गई थी। अपने काम के अनुसार, उन्होंने इन्वेंट्री, लागत अनुमानों का अनुमान लगाने और बिक्री की लागत का विश्लेषण करने के लिए एक ही तरीकों का उपयोग किया, लेकिन उनकी सत्यापन विधि अलग थी।

Edit with WPS Office

वर्गीकरण प्रकृति पर निर्भर करता है

यह लागत का विश्लेषणात्मक वर्गीकरण है। व्यावहारिक रूप से, 3 प्रकार के लागत वर्गीकरण हैं, अर्थात, श्रम लागत, व्यय और सामग्री लागत, जिससे व्यय पत्र में खर्चों को वर्गीकृत करना आसान हो जाता है। वे कुल लागत को प्रदर्शित करने में भी मदद करते हैं और प्रगति पर किसी भी काम के खर्च को निर्दिष्ट करते हैं।

सामग्री की लागत

सामग्री लागत किसी भी सामग्री की लागत है जिसे हम माल के उत्पादन में नियोजित करते हैं। लागत को और विभाजित किया गया है। उदाहरण के लिए, आइए हम सामग्री की लागत को कच्चे माल की लागत, अतिरिक्त घटकों, पैकेजिंग के लिए सामग्री की लागत आदि में विभाजित करें.

श्रम की लागत

श्रम लागत अवधारणाओं और वर्गीकरणों में माल निर्माण के लिए अस्थायी और स्थायी श्रमिकों को भुगतान की जाने वाली मजदूरी और सैलरी शामिल हैं।

Edit with WPS Office

खर्च

सेवाओं या वस्तुओं के निर्माण और व्यापार से संबंधित हर दूसरा खर्च

लागत का कार्यात्मक वर्गीकरण

वर्गीकरण एक संगठन के बुनियादी प्रशासनिक कार्यों की संरचना का फॉलो करता है। बिक्री, उत्पादन, प्रशासन आदि जैसी प्रक्रियाओं के विशाल विभाजन के आधार पर लागतों का संचय किया जाता है।

उत्पादन लागत

प्रत्येक लागत का संबंध वस्तु के मूर्त निर्माण या उत्पादन से है।

विज्ञापनों की लागत

विनिर्माण व्यय के अलावा उत्पादन प्रणाली की संचयी लागत। इसमें प्रशासन लागत, वितरण, बिक्री लागत आदि शामिल हैं।

Edit with WPS Office

ट्रेसिबिलिटी के अनुसार वर्गीकरण

यह विधि लागतों के सबसे महत्वपूर्ण वर्गीकरणों में से एक है। यह अकाउंटिंग लागतों को अप्रत्यक्ष और प्रत्यक्ष लागतों में विभाजित करता है। यह श्रेणी बिज़नेस की अंतिम वस्तु की ट्रैसेबिलिटी के स्तर पर स्थापित होती प्रत्यक्ष लागत

ये ऐसे खर्च हैं जिन्हें किसी विशेष लागत इकाई के साथ सहजता से पहचाना जाता है। कुछ बुनियादी उदाहरण एक अच्छा उत्पादन करने के लिए नियोजित उपकरण या निर्माण प्रक्रिया से जुड़े काम हैं।

अप्रत्यक्ष लागत

यह लागत विभिन्न उद्देश्यों के लिए, यानी कई लागत इकाइयों या केंद्रों के बीच खर्च की जाती है। हम उन्हें एक विशिष्ट लागत केंद्र या इकाई में सहजता से नहीं पहचान सकते। उदाहरण के लिए, भवन का किराया या किसी प्रशासक की आय को लें। हम सटीक रूप से यह निर्धारित नहीं करेंगे कि इस तरह के खर्चों को किसी विशिष्ट लागत इकाई में कैसे प्रदर्शित किया जाए।

Edit with WPS Office

वर्गीकरण Normality पर निर्भर करता है

यह वर्गीकरण लागत के वर्गीकरण की व्याख्या कर सकता है। यह लागत को असामान्य और सामान्य लागत के रूप में निर्दिष्ट करता है। सामान्य लागत का मानदंड वह लागत है जो आम तौर पर परिणाम के आवंटित स्तर पर होती है, परिस्थितियों के सटीक सेट के तहत, जिसमें उत्पादन की डिग्री होती है।

सामान्य लागत

यह खर्च का एक घटक है और लागत के लाभ या हानि का एक घटक है। ये वे खर्च हैं जो बिज़नेस मानक परिस्थितियों में सामान्य परिणाम स्तर पर सामना करते हैं।

Edit with WPS Office

असामान्य लागत

यह लागत आमतौर पर उन परिस्थितियों में परिणाम के आवंटित स्तर पर सामना नहीं किया जाता है जिनमें परिणाम के सामान्य स्तर होते हैं। यह लागत राजस्व और हानि खातों में जमा की जाती है। यह उत्पादन लागत का एक तत्व नहीं है।

Edit with WPS Office

THANK YOU

Edit with WPS Office